मिठाई न देने पर की थी हत्या, तीनों हत्यारे दबोचे

■ सैक्टर-15 में डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का मामला सॉल्व ■ आरोपियों को पुलिस आज करेगी अदालत में पेश, मांगेंगी रिमांड

मृतक संदीप यादव।

प्रैस कांफ्रैंस में जानकारी देते एस.एस.पी. निलांबरी विजय जगदले, साथ हैं डी.एस.पी. सैंट्रल कृष्ण कुमार तथा (दाएं) पकड़े गए तीनों हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में। (अनिल)

चंडीगढ़, 15 अक्तूबर (अमन लूना): धनास के रहने वाले एक डिलीवरी ब्वॉय की हत्या का केस सुलझाते हुए सैक्टर-11 थाना पुलिस ने तीनों युवकों को दबोच लिया है। इस मर्डर केस में खुलासा हुआ कि डिलीवरी ब्वॉय की हत्या सिर्फ मठाई को लेकर हुए विवाद में की गई थी। पकड़े गए तीनों की पहचान धनास की ईडब्ल्यूएस कालोनी के मकान नंबर-199-ए निवासी सूरज उर्फ अद्धा (18), मकान नंबर-368 निवासी आखिलेश उर्फ दीवा (19) मकान नंबर-422/बी निवासी राम आशीष उर्फ कालू (18) के रूप में हुई है। ये तीनों ही कैटरिंग का काम करते हैं और हाल ही में बद्दी से काम करके वापस लौटे थे। तीनों को पुलिस मंगलवार को जिला अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग करेगी। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए हुआ इनका वाहन व हथियार बरामद करना है।

एसएसपी निलांबरी विजय जगदले ने प्रैस कांफ्रैंस के दौरान बताया कि 4 अक्तूबर को संदीप यादव के घर पर जन्मदिन के प्रोग्राम में सूरज का बड़ा भाई प्रदीप भी आया था। वहां पर संदीप का छोटा भाई मंदीप सबको मिठाई बांट रहा था, लेकिन प्रदीप को मिठाई न देने के चलते मंदीप यादव व प्रदीप का आपस में झगड़ा हो गया और मंदीप ने किसी नुकीली चीज से प्रदीप पर वार कर दिया था, लेकिन बाद में दोनों पक्षों का आपसी समझौता हो गया था। इसके बाद 12 अक्तूबर की देर रात प्रदीप का छोटा भाई सूरज अपने दोस्त आखिलेश व आशीष के साथ सैक्टर-17 में कुछ खाने का सामान लेने पहुंचे हुए थे। उस समय ये तीनों ही शराब के नशे में धुत्त थे। अचानक से संदीप यादव इन तीनों को वहां पर मिला, जिससे 4 अक्तूबर को हुए झगड़े में तीनों उससे बहसबाजी करने लग गए। इनका झगड़ा देख वहां पर एक रेहड़ी वाले ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना भी दी थी। इस बात का पता चलने पर चारों वहां से भाग निकले और उसी रात को चारों सैक्टर-24 के होटल पार्क व्यू के पास संदीप की बाइक खड़ी कर दी और 30 मीटर दूरी उसे ले गए। सैक्टर-15/24 की डिवाइडिंग रोड के पार्क के पास तीनों ने संदीप पर बर्फ वाले सुए से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। हत्या वाले दिन देर रात पुलिस को मृतक का बाइक बरामद हुआ था। पकड़े गए आरोपियों में से सूरज पर पहले भी एक अपराधिक केस दर्ज हैं। उस समय वो नाबालिग था।

इस हत्या के केस को सुलझाने में डी.एस.पी. सैंट्रल कृष्ण कुमार, एस.एच.ओ.-11 लखवीर सिंह के नेतृत्व में टीमें बनाई गई थी। पुलिस ने सोमवार शाम को तीनों के बारे में सूचना पाकर इन तीनों हत्यारों को धनास से काली माता मंदिर के पास बने जंगल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है।

– निलांबरी विजय जगदले, एस.एस.पी. यूटी।

13 अक्तूबर को सुबह मिला था शव

13 अक्तूबर को सुबह 9.50 पर एक राहगीर ने खून से लथपथ संदीप यादव को सैक्टर-15 वाली रोड के पार्क के पास फुटपाथ पर गिरा हुआ देख पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तुरंत सैक्टर-16 के जीएमएसएच में पहुंचाया था, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास मिले दस्तावेजों से संदीप की पहचान हुई थी।

मारने के बाद फिर से किए वार

तीनों हत्यारों के पकड़े जाने के बाद सामने आया कि संदीप पर बर्फ वाले सुए से 40 से ज्यादा वार किए गए थे। उसकी छाती, मुंह व गले पर वार करने से उसकी मौत हुई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि उस पर वार करने के बाद वो सभी फरार हो गए थे और बाद में दोबारा ये देखने पहुंचे थे कि वो मरा है या नहीं। इसके बाद उन्होंने फिर से सुए से उस पर वार पर वार कर उसे मौत के घाट उतारा।

Road safety lessons to be part of UT school syllabus

Kamini.Mehta
@timesgroup.com

File pic

Recently, school students were seen assisting the UT traffic police in spreading awareness on proper parking among commuters

Chandigarh: Soon, road safety will be taught to government schools students as part of the curriculum.

The UT education department in association with the State Council for Educational Research and Training has prepared study material on road safety which will be launched soon. The information was confirmed by UT school education director Rubinderjit Singh Brar.

There are separate booklets for primary and secondary students. While the study material for primary students contains basic knowledge, the books for seniors is more detailed. A group of 20 teachers from UT government schools were involved in the project. The book is a result of 40-50 days of hard work.

Teachers shared that there are a lot of pictorial depictions that make these books interesting. The study material has been prepared both in English and Hindi.

As per the officials, the booklets have been prepared to make students aware of traffic rules, including chapters on traffic lights, cycling, parking, walking on road, traffic signals etc.

School education director Rubinderjit Singh Brar said, "Such books are the need of the hour keeping in view the increasing road mishaps in the city. Since children are the future, it is important to educate them on road safety so that they not only practice it but preach it too."

Recently, the UT education department and SCERT had launched 33 learning outcome booklets for students of Class I to VIII which will cover all subjects in their curriculum. A progress record sheet has also been included in the booklet to monitor the performance of students regularly.

Times of India
Dt: 16/10/2018

You can burst crackers on only three days

TIMES NEWS NETWORK

Chandigarh: The UT administration on Monday ordered a ban on bursting of all types of firecrackers with immediate effect till November 24, other than on Dussehra (October 19) from 5pm to 8pm, Diwali (November 7) from 6.30pm to 9.30pm and on Gurpurb (November 23) from 6.30pm to 9.30pm.

Those failing to comply will be liable to be prosecuted for disobedience to order duly promulgated by public servant under Section 188 of the Indian Penal Code (IPC).

The order issued under Section 144 of Criminal Procedure Code (CrPC) by district magistrate Sachin Rana reads, "During festival season, bursting of firecrackers and other fireworks, cause noise and air pollution, which is likely to create annoyance and occurrence of injury to health of general public. Hence, there is an urgent need to prevent the same by restricting the use of firecrackers and other fireworks within Chandigarh."

According to the order, manufacturing, sale or use of firecrackers generating noise level exceeding 125 dB (AI) or 145 dB(C) pk at 4 metres distance from the point of bursting is prohibited.

Also, every manufacturer should on the box of each firecracker, mention details of its chemical contents and that it satisfies the requirement as laid down by the department of explosive.

Last year, the UT had issued same orders after the directions of the Punjab and Haryana high court.

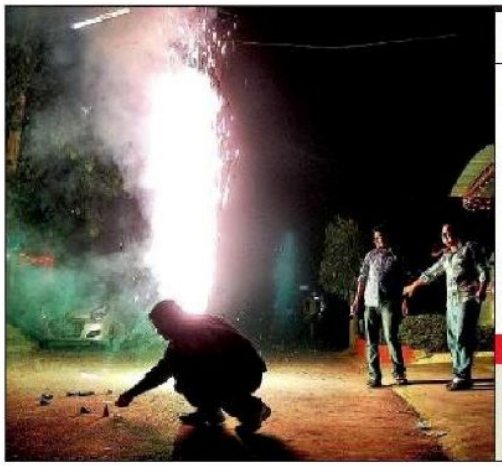

11 BOOKED LAST YEAR

Last year, 11 people were booked for allegedly bursting crackers in violation of a court directive in Chandigarh. The police had registered cases in different parts of the city for bursting crackers after permissible time limit on Diwali. The Punjab and Haryana high court had then directed that crackers be burst only between 6.30pm to 9.30pm on Diwali day in Punjab, Haryana and Chandigarh

NOTE THE TIMINGS

- **Dussehra (Oct 19)** | 5 pm to 8 pm
- **Diwali (Nov 7)** | 6.30 pm to 9.30 pm
- **Gurpurb (Nov 23)** | 6.30pm to 9.30pm

Speak Up

How helpful will be the ban on crackers in reducing air and noise pollution?

Share your view with us and your words might just make it to the pages of The Times of India.

Send your view to us at chandigarhtimes@timesgroup.com, by 4pm today

Times of India Dt: 16/10/2018